ईन्डीयन वॉल पुट्टी के उपयोग मे सावधानियां

- ईन्डीयन वॉल पुट्टी का प्रयोग पूर्णत: तैयार सतह पर करना चाहिये ।
- ईन्डीयन वॉल पुट्टी में कोई हानिकारक पदार्थ नहीं है ।
- कार्य के दोरान पुट्टी पाउडर के प्रयोग में सावधानी बरतें । ताकी धुल, कण नाक में न जाये । आँखो या मुँह से संपर्क होने पर ढेर सारे पानी से धो लेना चाहिऐ ।
- ईन्डीयन वॉल पुट्टी लेप बनाते समय रबर दस्तानो का प्रयोग करें, क्योंकी ज्यादा देर तक गीले माल के संपर्क से त्वचा मुलायम हो सकती है और सिमेन्ट कणों से कट भी सकती है ।
- ईन्डीयन वॉल पुट्टी को कभी भी खुरदुरे ऐमरी पेपर से और कठोरता से नही घिसना चाहिये इससे पुट्टी पर बनी महिन परत टुट जाती है । जिससे जल प्रतिरोधकता कम हो जाति है ।
- जिन्हें सीमेंट से एलर्जी हो वो सावधानी बरते ।

कवरेज/आवरण

चिकनी सामान्य मोटर दीवार पर ईन्डीयन वॉल पुट्टी की कवरेज क्षेत्र है दोहरे कोट मे 20 से 25 वर्ग फिट / किलो / ऐमऐम : हालांकी आवरण क्षेत्र सब्स्ट्रेट की गुणवत्ता पर निर्भर करेंगा ।

We Measure Your Dreams

Sr.No.	CHARACTERISTICS	TEST RESULT
1	Compressive strength at 28 days	8 to 12 N / mm^2
2	Tensile adhesion strength at 28 days	2.28 N / mm^2
3	Pot life	1.5 to 2.5 hrs
4	Coverage on normal surfaces	20 to 25 sq.ft./kg/mm
5	Surface hardness	3.0 N
6	Putty : Water Ratio	3:1
7	Maximum thickness of the total coats	1.5 mm

No Curing

Extra Top Coat

No Chalking

INDIAN

CONSTRUCTION CHEMICALS

AN ISO 9001:2000 COMPANY

C/o. Jagdish Farm, Opp. Mukhi Farm,
Mahapura to Nalanda School Road, Village : Sevasi,
Dist. Vadodara.
Contact : 99740 38417, 96012 75458, 079-27644348

INDIAN

PREMIUM WALL PUTTY

SPECIAL CHEMICAL BASED PUTTY

FOR INTERIORS & EXTERIORS

ईन्डीयन प्रिमियम वॉल पुट्टी

ईन्डीयन वॉल पुट्टी सफेद सीमेंट आधारीत जल प्रतिरोधक पुट्टी है। जिसे कंक्रिट/मोर्टार दिवारो पर उपयोग के लिये बनाया गया है। इसके उपयोग से दीवार पर रहे सुक्ष्म छिद्र भर जाते है। दीवार पर सफेद चिकनी और सुखी परत तैयार हो जाती है ! ईन्डीयन वॉल पुट्टीमें चिपकाव क्षमता अधिक होने से दीवार की परत टीकाऊ और मजबुत होती है, जिससे पेन्ट की उम्र मे बढौती होती है।

ईन्डीयन वॉल पुट्टी की विशेषताए

- बेझ प्लास्टर को अधिक शक्तिशाली बनाता है।
- पेन्ट/डिस्टेम्पर लगाने से पहले किसी तरह का प्राइमर लगाने की आवश्यकता नहीं। जिससे प्राईमर, समय एवं पैसो की बचत होती है।
- ईन्डीयन वॉल पुट्टीसे सतह चिकनी होती है।

- ईन्डीयन वॉल पुट्टी लगाने से दीवार पर पेन्ट की मात्रा कम चढती है और पेन्ट की बचत होती है।
- ईन्डीयन वॉल पुट्टी को कीसी तराई की आवश्यकता नही है।
- ईन्डीयन वॉल पुट्टी नई एवं पुरानी दीवारो पर भी लगाया जा सकता है।
- दिवारो पर कोई अथवा फंकुद को आने से रोकती है।
- दिवारो मे दरारे कम करती है और समय की बचत।

ईन्डीयन वॉल पुट्टी का उपयोग (सतह की तैयारी)

दीवारो को पुट्टी ब्लेड या ऐमरी स्टोन से साफ करे। दीवार को साफ पानी से भिगो दे जिससे दीवार पर चिपके धूल, मिट्टी, तेल के धब्बे व कण निकल जाते है तथा दीवार को सोखने के लिए पानी मिल जाता है।

ईन्डीयन वॉल पुट्टी के मिश्रण को तैयार करना

ईन्डीयन वॉल पुट्टी को 30 से 36% साफ पानी मे धीरे धीरे मिला कर गाढा घोल बना ले। इसे 10-15 मिनिट तक मिलाते रहें। जब तक समरुप पेस्ट तैयार न हो जाए, ध्यान रहे पानी स्वच्छ एवं साफ हो ताकी लेप एक समान रहें और अच्छे परिणाम प्राप्त हो सके।

सतह पर ईन्डीयन वॉल पुट्टी के उपयोग

- ईन्डीयन वॉल पुट्टी को अच्छी तरह मिलाने के बाद दीवार को पहले से नम की गई सतह पर पुट्टी ब्लेड की सहायता के नीचे से उपर की दिशा में पहला कोट लगाये।
- ईन्डीयन वॉल पुट्टी पहला कोट (परत) सूखने के बाद सतह को मुलायम कपडे एवं गीले स्पंज से से घिसे या रगड कर साफ करे, ताकी सतह पर बिखरे हुऐ कण निकल जाये।
- सतह को कम से कम 3 घंटो तक सूखने के बाद ही दूसरा कोट (परत) लगाये। दुसरा कोट सुखने के बाद कोई निशान हो जो उन्हें गीले स्पंज की सहायता से या बहुत कोमलता से पुट्टी ब्लेड से घिस कर निकाल दे। सतह को रात भर सूखने दे।
- ईन्डीयन वॉल पुट्टी को हमेंशा आवश्यक मात्रा में ही तैयार करे और जितनी जरुरत हो माल उतनाही तैयार करें। पानी में मिलाने के 2-3 घंटो मे ही इस्तमाल करे।
- कोशिश करे की दोनो कोट (परत) की मोटाई 1.5 मि.मि. तक ही सीमिल होनी चाहिए।
- ईन्डीयन वॉल पुट्टी लगाने के पश्यात सतह को घिसने की आवश्यकता नहीं है। लेकिन अगर कोई असमतलता निकालनी हो तो जलरोधक ऐमरी पेपर (500 नं. से अधिक) से हल्के हाथ से घिसकर चिकनी सफेद सतह प्राप्त करे।